



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

Lt. Bipin Raghu Pradhan
Donated his : Heart, Kidney, Liver & Eyes

Date:- 14/03/2020

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Brain-dead worker turns saviour for three

TIMES NEWS NETWORK

Surat: In his death, 44-year-old Bipin Raghu Pradhan, a native of Odisha, working as master in a weaving unit at Bhestan near here, has turned saviour for three persons. Pradhan complained of uneasiness on March 9 and was admitted to K P Sanghvi Hospital. CT scan examination found bleeding in his brain and therefore he was referred to Kiran Hospital on March 11 where doctors declared him brain-dead on Friday. Doctors and Pravasi Odisha Samaj president Pradeep Sahu informed Donate Life, an NGO which works in the field of cadaver organ donation.

"We immediately reached Kiran Hospital and met the kin of the patient. They agreed to donate Pradhan's organs. They said they were poor and can't donate anything to society and that if the organs of their beloved one can give new lease of life to anyone, they will be happy," Donate Life founder Nilesh Mandlewala said.

Pradhan's two kidneys and liver were retrieved by doctors of Institute of Kidney Diseases and Research Centre, Ahmedabad, and eyes were donated to Lokdrashti Eye Bank and heart to a ho-



Bipin Raghu Pradhan worked in a weaving unit

spital in Mumbai on Friday.

A 259km long special green corridor was created to transport kidneys and liver from Kiran Hospital to IKDRC in Ahmedabad. The green corridor created by police of Surat city, Surat rural, Bharuch, Vadodara rural, Anand, Ahmedabad city and rural helped cover the distance in 3:30 hours.

Pradhan's two kidneys were transplanted into a 46-year-old woman and the recipient of liver was a 50-year-old man. The organs were transplanted into them at IKDRC. Pradhan's heart was transported to Sir H.N Reliance Foundation Hospital via a chartered flight and transplanted into a 56-year-old woman, who was suffering from heart ailment for the past many years. Pradhan is survived by wife Renu and sons Munna and Kuna.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

अंगदान: अहमदाबाद के लिए सूरत, भरुच, बड़ौदा, आणंद पुलिस के सहयोग से बना 259 किमी ग्रीन कॉरिडोर

उड़िया समाज के ब्रेनडेड बिपिन का दिल 100 मिनट में 298 किमी दूर मुंबई पहुंचाया, महिला में धड़का

हेत्य रिपोर्ट | सूरत

उड़िया समाज के बिपिन रघुभाई प्रधान (44) के ब्रेनडेड होने पर परिजनों ने उनका अंगदान कर दिया। उनके हार्ट, किडनी, लीवर और आंखों के दान से पांच लोगों को नया जीवन मिला। उनका दिल मुंबई की 56 वर्षीय महिला में ट्रांसप्लांट किया गया। सूरत के किरण अस्पताल से मुंबई के सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल तक 298 किमी की दूरी 100 मिनट में तय कर दिल पहुंचाया गया। जिस महिला में हृदय ट्रांसप्लांट किया गया वह 8 साल से बीमार थी।



रवत जमने से बिपिन हुए थे ब्रेनडेड

बिपिन मूल ओडिशा के गंजाम जिले के थे। वह भेस्तान के सिद्धार्थ नगर में रहते थे और एक विविंग यूनिट में मास्टर थे। 9 मार्च को बेचैनी की शिकायत हुई तो पहले केपी संघर्षी फिर किरण अस्पताल में भर्ती कराया। न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, डॉ. वितारां शाह, डॉ. दशनं त्रिवेदी, डॉ. रुद्र दत्ता श्रोतिया ने 13 मार्च को ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

किडनी-लीवर अहमदाबाद पहुंचाया

अहमदाबाद किडनी अस्पताल में डॉ. प्रांजल मोदी और उनकी टीम ने बिपिन की दोनों किडनियों 46 वर्षीय महिला और लीवर 50 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया। हृदय मुंबई पहुंचने सूरत एयरपोर्ट तक 17 किमी का और किडनी-लीवर अहमदाबाद भेजने के लिए 259 किमी मार्ग ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

अहमदाबाद में किडनी व लीवर के ट्रांसप्लांट से दो मरीजों को मिली नई जिंदगी

मुम्बई में धड़केगा सूरत का दिल, 26वें हृदय का दान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत भेस्तान सिद्धार्थ नगर झोपड़पट्टी में रहने वाले 44 वर्षीय व्यक्ति के ब्रेनडेड घोषित किया जाने के बाद परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया, जिससे तीन जनों वो नई जिंदगी मिली। मुम्बई के अस्पताल में हृदय तथा अहमदाबाद के अस्पताल में किडनी व लीवर का तीन मरीजों में ट्रांसप्लांट किया गया।

भेस्तान सिद्धार्थ नगर झोपड़पट्टी स्टॉट नं. 237 निवासी विधान रघु प्रधान (44) भेस्तान के

एक सूम कारखाने में मास्टर था। नौ



वर्षों को वह घर पर खाना खाने के लिए उड़ाता तभी उसकी लवियत खराब हो गई। परिजन उसके केवी संघर्षी

मार्फ को उसे ब्रेनडेड घोषित किया। प्रांजल उड़िया समाज के प्रमुख प्रांजीप साहू ने डोनेट लाइफ प्रमुख निलेश माडलेवाला से समर्पक किया।

उन्होंने परिजनों को अंगदान के बारे में जानकारी दी और सहमती मिलने पर एसओटीटीओ के कन्वीनर डॉ. प्रांजल मोदी को जानकारी दी। हृदय ट्रांसप्लांट के लिए गुजरात में ओपनिटिव लाइफ ग्रुप का कोई जरूरतमंद नहीं होने के कारण एसओटीटीओ ने आरओटीटीओ को जानकारी दी। इसके बाद महाराष्ट्र के मुम्बई में सर एचएन रिलायंस

फाउंडेशन अस्पताल के डॉ. अन्वय मूले की टीम ने हृदय का दान स्वीकारा।

जबकि किडनी व लीवर का दान अहमदाबाद अझेकीडीआरसी के डॉ. विकास पेटेल ने स्वीकार किया। चक्षुओं का दान लोकदूषित चक्षुबोक ने स्वीकार किया। हृदयदान के लिए ग्रीन कॉरिडोर के तहत सूरत किरण अस्पताल से मुम्बई अस्पताल की 298 किमी की दूरी 100 मीनटों में तय की गई। मुम्बई के 56 वर्षीय महिला में डॉ. अन्वय मूले की टीम ने हृदय ट्रांसप्लांट किया। यह महिला

आठ माह से हृदय की बीमारी से पीड़ित थी और तीन साल से उसके हृदय का पंपीय सिर्फ दस से पन्द्रह फिलट्री रह गया था। दान में मिली किडनी 46 वर्षीय महिला तथा लीवर 50 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। माडलेवाला ने बताया कि गुजरात में अब तक 32 हृदयदान हुए हैं, जिनमें सूरत डोनेट लाइफ ने ही 26 हृदय दान करवाए हैं। अब तक मुम्बई में 20, अहमदाबाद में 3, नई दिल्ली में एक, चैन्सई में एक, इंदौर में एक हृदय का ट्रांसप्लांट किया गया है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

अधेड़ के अंगदान से महका 5 व्यक्तियों का जीवन

►मुम्बई का 289 किमी का अन्तर 100 मिनिट में काटकर हृदय का किया ट्रांसप्लान्ट

बीओटी संवाददाता

सूरत, 15 मार्च

सूरत शहर के पांडेसरा निवासी अधेड़ के अंगदान से पाँच व्यक्तियों का जीवन महक उठा है। ग्रीन कोरीडोर से अधेड़ का हृदय मुम्बई का 289 किमी का अन्तर 100 मिनिट में काटकर भेजा गया। जो 56 वर्षीय महिला में ट्रांसप्लान्ट किया गया।

विपीन प्रधान भेस्तान स्थित सिद्धार्थ नगर में रहते हैं और विविंग यूनिट में मास्टर के तौर पर काम करते हैं, उन्हें संतान में दो पुत्र हैं। 9 मार्च की दोपहर विपीन घर खाना खाने के लिए आये थे। जिसके बाद उनकी तबीयत खराब होने पर ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। 11 मार्च को उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। जहाँ उन्हें ब्रेनडे�



घोषित किया गया।

इस बात की जानकारी डोनेट लाईफ संस्था के निलेश मांडलेवाला को देने पर उन्होंने परिजनों को अंगदान के लिये समझाया। जिसके बाद सहमती से किडनी, लीवर का दान अहमदाबाद की आईकेडीआरसी ने स्वीकार किया। वहीं हृदय को ग्रीन कोरीडोर के माध्यम से मुम्बई में पिछले 8 साल से हृदय की तकलीफ से पीड़ित 56 वर्षीय महिला में

ट्रांसप्लान्ट किया गया। दोनों किडनी को 46 वर्षीय महिला और लीवर का ट्रांसप्लान्ट 50 वर्षीय व्यक्ति में किया गया।

सूरत में से डोनेट लाईफ संस्था द्वारा हृदय का दान करवाने की यह 26वीं घटना है। जिसमें से 20 हृदय मुम्बई, 3 हृदय अहमदाबाद, 1 हृदय नई दिल्ली, एक चैन्सई और एक हृदय को इन्दौर में ट्रांसप्लान्ट किया गया।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे� के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



हृदय, किडनी-लीवर और चक्षुओं का दान करके ब्रेनडेर्ड युवक ने पांच लोगों को नया जीवन दिया

**सूरत से 298 किलोमीटर दूरी 100 मिनट
में पूरी कर मुंबई में हुआ हार्ट ट्रान्सप्लान्ट**

लोकतेज संवाददाता

सूरत। डोनेट लाईफ संस्था की मदद से शहर से 32वां हृदय का दान किया गया। सूरत के 44 वर्षीय ब्रेनडेर्ड युवक का हृदय, किडनी, लिवर और चक्षुओं के दान से पांच लोगों को नया जीवन मिला। सूरत से मुंबई के बीच 298 किलोमीटर की दूरी मात्र 100 मीनीट में पूर्ण कर मुंबई पुहंचाकर महिला में सफलतापूर्वक हार्ट ट्रान्सप्लान्ट किया गया।

भेस्तान सिध्दार्थ नगर का निवासी विपिन रघुभाई प्रधान उम्र 44 परिवार के साथ रहता था। गत 9 मार्च को विपिन घर पर खाना खाने गया तभी शरीर में अचानक बेचैनी का अनुभव होने पर उसे तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती किया। सीटी स्केन कराने पर



दिमाग की दायीं नस फट जाने से दिमाग में खुन का गर्ढ़ा जमे होने का रिपोर्ट आया। 13 मार्च को विपिन को चिकित्सकों ने ब्रेनडेर्ड घोषित किया। डोनेट लाईफ की टीम अस्पताल पुहंचकर परिवार के सदस्यों को अंगदान की जानकारी दी। डोनेट लाईफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला, किरण अस्पताल के चिकित्सकों ने विपिन की पत्नी रेणु, पुत्र मुना और कुणा तथा भतिजा रोहित को अंगदान का महत्व समझाने के बाद उन्होंने सहमति दी।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर्ड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

સુરતમાંથી ૨૬મા હૃદયનું દાન કરાયું

ઓડિયાસમાજના બેઈનડેડ આધેડના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન

મુંબઈમાં પદ વર્ષીય મહિલામાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત :

પ્રવાસી ઓડિયા સમાજના બેઈનડેડ આધેડના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિનોને નવજીવન મળ્યું હતું. આધેડના હૃદયને મુંબઈમાં પદ વર્ષીય મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. જ્યારે દાનમાં મળેલી બંને કિડની ૪૬ વર્ષીય મહિલામાં અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ૫૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની IKDRCની ટીમ દ્વારા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

આ અંગે મળતી માહિતી મુજબ ભેસ્ટાન ખાતે સિદ્ધાર્થનગરમાં રહેતા બિપીનભાઈ રથુ પ્રધાન (ઉ.વ.૪૪) કાપડના કારખાનામાં નોકરી કરતા હતા. ગત તાર્થ માર્યાના રોજ બિપીનભાઈ બપોરે ઘરે જમવા માટે આવ્યા હતા, ત્યારે શરીરમાં બેચેની થતી હોવાની ફરિયાદ કરતા તાત્કાલિક કે. પી.સંધ્યવી છોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં તથીબીએ સિટી સ્કેન સહિતની તપાસ કરાવતા જમજી બાજુના મગજની નસો કાટી જવાને કારણે મગજમાં લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ તેમને વધુ સારવાર માટે કિરણ છોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં શુક્વારે તથીબોએ તેમને બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા, જેની જાણ ડોનેટ લાઈફની ટીમને કરાઈ હતી. પ્રવાસી ઓડિયા સમાજના બેઈનડેડ બિપીનભાઈના પરિવારે તેના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચયુઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિનોને નવજીવન બસી માનવતાની મહેક કેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.



સુરતથી મુંબઈનું ૨૮૮ ક્ર.મી. નું અંતર ૧૦૦ મિનિટમાં કાપીને બિપીનભાઈના હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈની છોસ્પિટલમાં પદ વર્ષીય મહિલામાં કરાયું હતું. ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધી ઉર હૃદયના દાન થયા છે. જેમાં સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદય દાન કરાવવાની આ છિવીસમી ઘટના છે. જેમાંથી ૨૦ હૃદય મુંબઈ, ૩ હૃદય અમદાવાદ, ૧ હૃદય નવી દિલ્હી, ૧ હૃદય ચેમાઈ અને ૧ હૃદય ઈન્ડોર ખાતે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યાં છે. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ઉપદ કિડની, ૧૪૫ લીવર, ૭ પેન્ડીઆસ, ૨૬ હૃદય, ૪ ફેકસાં અને ૨૬૪ ચયુઓ કુલ ૮૦૫ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૪૦ વ્યક્તિનોને નવું જીવન અને નવી દ્રષ્ટી બસવામાં બસી છે.

" જીતે જી રત્નદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

ઓરિસ્સાવાસી સમાજના બ્રેનડેડ બિપીન રધુ પ્રધાનના અંગદાનથી પાંચ લોકોને નવજીવન મળ્યું

સુરત: સુરતના ભેસ્તાન સિધ્યાર્થનગરમાં રહેતા અને વિવિંગ એકમમાં માસ્ટર તરીકેનું કામ કરતા બિપીન રધુરામ પ્રધાન (3. 44 વર્ષ) 9 માર્યાના રોજ ઘરે જમવા માટે આવ્યો ત્યારે શરીરમાં બેચેની લાગતા તેને નજીકની કે.પી. સંધ્વી હોસ્પિટલ ખાતે ખસેડવામાં આવ્યો હતો. જ્યાં સીટી સ્કેન કરવવામાં આવતા મગજની નસો ફાટી જવાને કારણે લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું બહાર આવતા વધુ સારવાર માટે સુમુલ ડેરી રોડની કિરણ હોસ્પિટલમાં ખસેડવામાં આવ્યો હતો. જ્યાં સારવાર દરમ્યાન તે બ્રેનડેડ હોવાનું બહાર આવતા પ્રવાસી ઓરિસ્સા સમાજના પ્રમુખ પ્રદિપ શાહુ અને ડેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરવામાં



આવ્યો હતો.

આ બંનેએ પ્રધાનના પરિવારજનોને અંગ દાનની સમજ આપતા તેમણે અંગદાન કરવાનું નક્કી કર્યું હતું. સુરતથી મુંબઈ 298 ક્રિ.મી.નું અંતર 100 મિનિટમાં કાપી 56 વર્ષિય મહિલામાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. જ્યારે તેમની બંને કિડની 46 વર્ષિય મહિલાના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી હતી. જ્યારે અમદાવાદની આઈ.કે.ડિ.આર. સી. હોસ્પિટલમાં 50 વર્ષના વ્યક્તિતના

શરીરમાં લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે ચક્ષુઓનું દાન સુરતની લોકદ્રષ્ટિ ચક્ષુ બેંકને કરવામાં આવ્યું હતું.

કિરણ હોસ્પિટલથી એરપોર્ટ સુધીના સતત ક્રિ.મી.ના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા શહેર પોલીસે સહયોગ આપ્યો હતો. જ્યારે કિડની અને લિવર માટે ગ્રામ્ય પોલીસનો સહયોગ મળ્યો હતો. એ રીતે બિપીન રધુ પ્રધાનના અંગદાનથી પાંચ લોકોને નવજીવન મળ્યું છે.



੨੬੮ ਕਿਮੀਨੂੰ ਅੰਤਰ ੧੦੦ ਮਿਨਿਟਮਾਂ ਕਾਪੀਨੇ ਛੁਦਯਨੂੰ ਟ੍ਰਾਨਜ਼ਫਲਾਣਡ

હદ્ય, કિડની, લિવર અને ચક્કુઓનું દાનથી યુવકે પાંચને નવજીવન આપ્યું

ਮੁੰਬਈਨੀ ਪਦ ਵਰਧਿਅ
ਮਹਿਲਾਮਾਂ ਸੁਰਤਨਾ।
ਯੁਵਕਾਨੁੰ ਛੁਦਾਇ
ਧਬਕਤੁੰ ਕਰਾਇੰ

સુરત: શુદ્ધાંગાંથી રૂપમાં હૃતકણનું જાણ
કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના રૂપ
વર્ણિય તેણું પૂર્વના સુધીએ, કિન્નો,
લિખાન માટે ચાલુંનીં જાણ કરી પૂર્વે
પાંચ વાર્તાનાન ન વાણન
આપવામાં આવ્યું છે. પૂર્વના હંડયને
સુરતથી ૧૦૦ ચિનિનાંમાં મંજૂર
પણીયાંની મહિલાઓએ ટાંબુલાન્

કરવામા આવ્યું હતું.
બેસ્ટાન ખાતે આવેલી લિન્કાં
નગર સુપરફાઈમ જિધીન રૂપભાઈ
પ્રથમ(નિ.૧૮૪૪) પરીવાર ખાણે રહેતા
હતું. ગત ૮ માર્ચના રોજ જિધીન
અપોદે ઘરે રૂપભાઈ માટે આવ્યું તારે



માર્ગરની અભેનો લાગવની કરિયા
કરતા તેને લાંઠાપિક ખાનને
હોલ્ડિંગટાં હાયેસ કરવામાં આવતું
હતો. નિદાન માટે સૌથી હોણ કરવાની
જમાઈ બાળુન્ન મય્યાળુન્ન નાચે કરા
જવાને કારણ મય્યાળુન્ન લોડીનો ગત
જાની અથે લોધાન્ન નિદાન વિષ કરા

દ દરમિયાન ૧૩ માર્ગના રોજ જેન્ટી
(જેન્ટી હાર્દિક પટે)

અનેક જાતો કથા મેનેટ લાઈકની
દીપ હોમિનિટ્સ પદ્ધતી હતી અને
પરિવારનું બેંગદાન આપે ભાડીની
આપી હતી. જિયોનના
પરિવારનોને જીવાયાં હતું કે, અમે

ખૂબ છ જરીએ પરિવરતના ક્રીયાને,
જુદાનાં કોઈપણ પણું જામે હાન
કરી શકીએ તેમ નથી. અમારા
પિતાજી આજે જીવિતીની કુલ જીવન

मुख्य निवास जू से, लेही अंगदान
माटे संभवता आपाते होंगे।
परिवारनी संभवता वह कुटयने
मुख्य पाते संभवता आपाते होंगे।
सुलनी त्रिकाल लोकिटलो मुख्य होंगे।
उस देश भेजने, विद्यापत्ना कामिंगेन
लोकिटल त्रिपुरा रुदात उमीनु अंतर
१०० घनिन्दामा इलाली दानमा
मेलवालामा आपेका कटयनु
द्राम्पालान्ट करापु तरु, मुख्य होंगे। रु
पर्याप्त बहिलासा द्राम्पालान्ट करवामा
आपाते होंगे। या भिडिलाने गर्दा वर्षधी
कटयनु त्रिकाल हीली अने छेला गरा
पर्याप्त तेजा कटयनु पर्मार्ज १०वी
१५ दम कटयनु करु।
किनी, विवर अमदापाद
पर्याप्तामा २५८ तिमिनो झीन

કોરીપેર કરાયો
દાનમાં મેળવામાં આવેલી અને
કેળો રુધ વર્ષિય મહિયામાં અને
લિપરનું ટેન્સખાન્ટ ૫૦ વર્ષિય
ચિન્તામાં અમદાવાદની કિંની
ઓલિટ્ટલાં રડવામાં આવું હતું
દિદને પણ્યોગાળા માટે ડિર્બસ
ઓલિટ્ટલાં સુરત ગેરસેર્ટ સુપીના
કાજ કિમીના માર્ગને તીવી કોરીપેર
નનાવાયા આવ્યો હતો. એ એ રીતે
કિંની અને લિપર
નનાવાયાંકાલા માટે ડિર્બસ
ઓલિટ્ટલાં
અમદાવાદ
કાઈકીનારાથી લોટિના સુપીના
દિદન કિમીના માર્ગને તીવી કોરીપેર
નનાવાયા માટે સુરત સહેર પોલીસ,
સરૂપ પોલીસ, બરૂપ પોલીસ,
નરોડા ગ્રામ્ય પોલીસ, આસંગ
પોલીસ, અનન્ધાચાર ગ્રામ્ય અને
અમદાવાદ શહેર પોલીસનો લલકાર
થાપ્યો હતો.

પાંડેસરાનાં બ્રેઇન ટેક આધેડ વિવિંગ યુનિટ માસ્ટરના અંગાદાનથી પાંચને નવજીવન

(xREFR set)

પાર્ટીસરણા આપેદ પ્રેરિન કે બધા ભાડ તેના પરિવારે ૬૬૫, કિંની, લિબર અને ચુકુઅનોનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજગ્યન જેમાં સુરતાથી મુંબાલનું ૮૮૮ ડિ.મીનું અંતર ૧૦૦ મીનીટમાં કાપીને રહ્યાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પણ વર્ષની મહિલાઓના કરુંદામાં આવ્યું હતું.

આધેડના હદ્ય, કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન: મુંબઈનું ૨૮૮
કિ.મી.નું અંતર ૧૦૦ મીનીટમાં કાપીને હદ્યનું ટાન્સપ્લાન્ટ

મુજા અંગરેસના ગંગામણા વાતની અને દાખલ કર્યા હતા. દરમિયાન તા. ૧૩મૈના શાંતિપદ્ધતિથી મુખ્યમની ખાનગી છોસ્પીટના

જાન નાલમાં પાસેથી ભલાન જાત સિદ્ધાય
નગરમાં રહેતો હજ વર્ષના વિધીન રૂપું પ્રશાન
બેસ્ટનામાં વિવિધ કુન્ટિમાં માસ્ટર્ન તરીકે
ક્રમ કરતો હતો. તેમન સંતુનામાં ખે પુરુષે,
તા. એ મી માર્યાન રોજ વિધીનામાં અપોદે
થે રૂમાય આવ્યા ત્યારે તેમન સારીરમાં બેનેની
આગતા સારવાર માટે ખાનગી નોસિન્ટલમાં
દાખલ કરતામાં આવ્યા હતા. સીટી કેન્દ્રમાં
જાસ્તા માંગું કે જનરી ભારુના મગજની નસો
કાઢી જવાન કરતો મગજમાં લોઠીનો ગણો
જુમી જાયો છે. વધુ સારવાર માટે તા. ૧૧ના
રોજ રેને ક્રીન ગામની ખાનગી નોસિન્ટલમાં
પ્રકટરના ટેમ તેમન જ્ઞાનની લાલોડ કર્યા શકતા.
આ અને રેનેટ લાઈફની ટીમને જુદી યત્ના
નોસિન્ટલ પાણીઓ પ્રયાસી ઉપિયા સમજાળના
પ્રમુખ અને તેના પરિવારનું ને અનેજાનની
સમજ પ્રક્રિયા અને તેનું સમજાળવું લાગુ.
મુખ્યાની પ્રાથીએ લાસ્પીટલના નિધારાત
પ્રકટરોની ટીમ જુદેન આવી તેમનું કદયનું
દાન સીટીએ લાગુ. ડિની અને વિવરનું દાન
અમદાવાદના ઇન્સિટ્યુટ નોંક ડિની પ્રીસીસ
અનું રિસર્ચ સેન્ટરની પ્રેક્ટરને ટીમે આવી
સીટીએ લાગુ. વધું રેન્ઝનોંનું દાન લોકડરી
ચાલું કર્યાનું લાગુ. સુરતની ખાનગી

दाखल कर्की सता, दरभियान ता. १३मीना
ग्रेकटरोनी टीमे तेमने बेनउँ लहेर कर्की सता,
आ अनें प्रेनेट लाईकनी टीमने जास पता
लेसिप्पिल पत्तेयी प्रायासी उडिया सभावाना
प्रभुज अने तेना परियारहनोने अंगदाननी
समझ प्रक्षिया अने तेनु भक्त्य समाझयुँ लहु,
मुंखिनी प्राईवेट लास्टीटलना निप्पात
ग्रेकटरोनी टीम तुरत आवी तेमनुँ कधयनु
दान स्वीकार्पुँ लहु, किनी अने दिवरनु दान
अमादायादानी ईन्टरट्यूट अोक किनी डीसीस
अेन्ड रिसेप्शन एन्टरनी ग्रेकटरन टीमे आवी
स्वीकार्पुँ लहु, लापार यकुन्हानु दान लाक्केप्प
यकुन्हाक ट्यूकार्पुँ लहु, मुरेतनी आवी

નાસ્તિકલાભી મુખદિની ખાનગી હોસ્પિટલન
સુધીનું રેસ્ટ ડિ.મીનું અંતર ૧૦૦ મીનીટનાં
ડાપીન દાનમાં મેળવવામાં આવેલ કદદયનું
દ્રાન્યાણાન્ટ મુખદિની પદ વર્ષની મહિનાના
નિયમાંનું પ્રેક્ટિશનની ટીમ જારી કરવામાં આવ્યું
સત્તું. આ મહિનાને આઠ વર્ષથી કદદયનું
નકદીએ નહીં અને છેલ્લા ત્રણ વર્ષથી તૈયાં
કદદયનું પામ્પીનું ૧૦ થી ૧૫ ટક્ક કાઢ્યું સત્તું.
દાનમાં મેળવવામાં આવેલી અને ડિનું રેસ્ટ
વર્ષની મહિનાનાં અને વિવરનું દ્રાન્યાણાન્ટ
૫૦ વર્ષના વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું છે.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



ઉડીયા સમાજના બીજા યુવકનું અંગદાન, 5ને નવજીવન 44 વર્ષના બિપીન નું હૃદય મુંબઈની 56 વર્ષીય મહિલાના શરીરમાં ધર્મકર્તું કરાયું

લેખયરિપોર્ટર|સુરત

ભેસ્ટાન વિસ્તારમાં રહેતા ઉડીયા સમાજના બ્રેનડેડ યુવાનના હૃદય સહિતના અંગોનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિને નવું જીવન આપી પરિવારે સમાજને નવી



રાહ ચીધી
છે. શહેરમાં
વસતા ઉડીયા
સમાજમાંથી
આ બીજુ

ઓર્ગન ડોનેશન થયું છે.

ભેસ્ટાનમાં સિધ્યાર્થનગર ગુપ્તપણી ખાતે રહેતા બિપીન રધુ પ્રધાન (44) લૂભ્સના કારખાનામાં નોકરી કરતા હતા. તેમના બે પુત્રો પણ લૂભ્સના કારખાનામાં કામ કરે

છે. ૭મી માર્ચના રોજ તેઓ ઘરે જમવા માટે આવ્યા ત્યારે શરીરમાં બેચેની લાગવાની ફરીયાદ કરતા તેમને તાત્કાલિક સારવાર માટે ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં સીટી સેન કરાવતા જમણી બાજુના મગજની નસો ફાટી જવાના કારણે મગજમાં લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. જેથી તેમને વધુ સારવાર માટે કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં શુક્વારે તેમને બ્રેનડેડ જાહેર કરાયા હતા. જેની જાણ પ્રવાસી ઉડીયા સમાજના પ્રમુખ પ્રદીપ શાહુએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાને કરી હતી. ઓર્ગન ડોનેશન માટે સોટોને જાણ કરાયા બાદ રોટો દ્વારા હૃદય મુંબઈની 56

વર્ષની મહિલાને ફાળવવામાં આવ્યું હતું. મુંબઈની સર એચ.એન. રિલાયન્સ ફાઉન્ડેશન હોસ્પિટલની ટીમે સુરત આવી હૃદયનું દાન સ્વિકાર્યું હતું અને ગ્રીનકોરીડોરની મદદથી સુરત થી મુંબઈ સુધીનું 298 કિ.મી.નું અંતર 100 મીનીટમાં કાપી મુંબઈની 56 વર્ષીય મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

તેવી જ રીતે અમદાવાદની આઈકેડીઆરસી હોસ્પિટલ દ્વારા બન્ને કિડની અને લિવરનું દાન સ્વિકારવામાં આવ્યું હતું અને ગ્રીન કોરીડોરની મદદથી અમદાવાદ ખાતે બન્ને કિડની 46 વર્ષીય મહિલામાં અને લિવર 50 વર્ષીય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે બન્ને આંખો લોકપ્રથી ચંદ્રબેંકે સ્વિકાર્યું હતું.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



ઓરિઝના બેનડ્સ વ્યક્તિના અંગોનું દાન કરતા પાંચને નવી જુંદગી સાંપડી

**બેનડ્સ ૪૪ વર્ષથી
નિપીન પ્રધાનના
પરિવારજનોએ
માનવતા મહેંકાવી**

સુરત, તા. ૧૯

સુરતના લેસ્ટાન સિદ્ધાંનગરમાં રહેતા અને વિવિંગ એકમાં માસ્ટર તરીકેનું કામ કરતા નિપિન રઘુરામ પ્રધાન (૩.૭.૪૪) ૮ માર્યેના રોજ ઘરે જમવા માટે આવ્યો ત્યારે શરીરમાં બેચેની લાગતા તેને નજીકની કે.પી. સંધરી હોસ્પિટલ ખાતે ખેડુવામાં આવ્યો હતો. જ્યાં સીટી સ્કેન કરાવવામાં આવતા મગજની નસો ફાટી જવાને કારણે લોહીનો ગઢો

જામી ગયો હોવાનું બહાર આવતા વધુ સારવાર માટે સુમુલ ડેરી રોડની ડિરાના હોસ્પિટલમાં ખેડુવામાં આવ્યો હતો. જ્યાં સારવાર દરમાન તે બેન્ડેડ હોવાનું બહાર આવતા પ્રવાસી ઓરિઝના સમાજના પ્રમુખ પ્રદિપ શાહુ અને ડેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માદલેવાલનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો હતો. આ બન્ને પ્રધાનના પરિવારજનોએ અંગ દાનની સમજ આપતા તેમણે અંગદાન કરવાનું નક્કી કર્યું હતું. સુરતથી મુંબઈ ૨૮૮ ડિમીનું અંતર ૧૦૦ મિનિટમાં કાપી પદ વર્ષથી મહિલામાં હદ્ય ટ્રાન્સપ્લાન કરાયું હતું. જ્યારે તેમની બંને કીડને ૪૬

વર્ષથી મહિલાને શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન કરવામાં આવી હતી. જ્યારે અમદાવાદમાં આઈ.ડી.આર.સી હોસ્પિટલમાં ૫૦ વર્ષના વ્યક્તિના શરીરમાં લીવરનું ટ્રાન્સપ્લાન કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે ચલુંનોનું દાન સુરતની લોકડાઉન ચંચું બેંકને કરવામાં આવ્યું હતું.

કરણ હોસ્પિટલથી એરપોર્ટ સુધીના સતત ડિમીના માર્ગને ગ્રેન કોરીડોર બનાવવા શહેર પોલીસે સહયોગ આપ્યો હતો. જ્યારે ડિમી અને લિવર માટે ગ્રામ્ય પોલીસનો સહયોગ મળ્યા હતો. એ રીતે નિપિન રઘુ પ્રધાનના અંગદાનથી પાંચ લોકોને નવજીવન મળ્યું હતું.

" જીતે જી રહ્યાદાન, બેનડ્સ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યાદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

બિપિન પ્રધાને મૃત્યુ પાસ્યા પછી 5 જણાને નવજીવન આપ્યું

44 વર્ષીય યુવાનનું “દિલ” મુંબઈની 56 વર્ષીય યુવતીને ફાળવાયું

સુરતથી મુંબઈનું ૨૮૧ કિ.મી.નું અંતર ૧૦૦ મિનિમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

જ્ઞાનકાર વ્યક્તિ | મુંબઈ



44 વર્ષના એક શખસનું દિલ મુંબઈમાં 56 વર્ષની મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. પ્રવાસી ઓડિયા સમાજના ભેનેડ બિપિન રહ્યું પ્રધાનના પરિવારે બિપિનના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચલુંગોનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યો માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી હિસ્સા બતાવી છે.

સ્ટેટ એડવાર્ડ્ઝની કમિટી કોર ઓર્ગન અને ટિરયુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશનના કમિટી મેમ્બર અને સુરતની ડોનેટ લાઇફના પ્રમુખ નીલેશ માંડલેવાલાને આ વિશે “દિવ્ય ભાસ્કર”ને કહું હતું કે, ઓરિસ્સાના ભાટાપાડાના વતની અને સુરતમાં રહેતા અને બેસ્તાનમાં વીવિંગ યુનિટમાં માસ્ટર તરીકે કામ કરતો બિપિન ૮ માર્યના રોજ બપોરે ઘરે જમવા માટે આવ્યો ત્યારે અસ્થય મહેસૂસ કરતાં સુરતની કે.પી.સંધ્યા હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યો હતો. સિટી સેન્ટ કરાવતાં જમણી બાજુના મગજની નસો ફાટી જવાને કારણે મગજમાં લોહીનો ગકો જામી ગયાનું જણાયું હતું. આથી વધુ સારવાર માટે ૧૧ માર્યે કિરણ હોસ્પિટલમાં ન્યુરોસર્જન ડૉ. ભૌમિક કાડોરની સારવાર હેઠળ

દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી હતી. ૧૩ માર્યના રોજ ન્યુરોસર્જન ડૉ. ભૌમિક કાડોર, ઇન્ટેસ્ચિવિસ્ટ ડૉ. વિતરાગ શાહ, ડૉ. દર્શન ત્રિવેદી, ચીક ઓપરેટિંગ ઓફિસર ડૉ. દુદ્ગના શ્રોન્નીયાએ બિપિનને ભેન-ડેડ જાહેર કર્યો હતો. એ પછી તેમના પરિવારના સભ્યો પત્ની અને તેના બે પુત્રોને અંગદાન વિશે માહિતી આપવામાં આવી હતી. બિપિનના પરિવારજનોને જણાયું કે અમે ખૂબ ગરીબ પરિવારના છીએ. જીવનમાં કોઈ પણ વસ્તુનું દાન કરી શકીએ તેમ નથી. અમારા પિતાજી આજે ભેન-ડેડ છે, અને તેમનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે ત્યારે શરીર બળીને રાખ વાઈ જાય તેના કરતાં તેમના અગોના દાન યકી જરૂરત હોય તેવા દ્વારાઓને નવજીવન મળતું હોય તો અંગદાન માટે આપ આગળ વધી શકો છો.

માંડલેવાલાને વધુમાં જણાયું હતું કે, હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે

ગુજરાતની હોસ્પિટલમાં ૦ પોઝિટિવ બ્લડ સુપનો જરૂરિયાતમંદ દર્દી ન હોવાને કારણે એસઓટીટીઓને આરાઓટીટીઓનો સંપર્ક કર્યો. આરાઓટીટીઓ મુંબઈ હારા હૃદય મુંબઈની સર એચ. એન. રિલાયન્સ ફાઉન્ડેશન હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યું, જ્યાં તો. અન્વય મુણયે અને તેમની ટીમે સુરત આવી હૃદયનું દાન સ્વીકાર્યું હતું. એ પછી સુરતથી મુંબઈનું ૨૮૮ કિ.મી.નું અંતર ગ્રીન કોરિડોર યકી ૧૦૦ મિનિટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પદ વર્ષીય મહિલામાં મુંબઈની આ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું. આ મહિલાને આઠ વર્ષથી હૃદયની તકલીફ હતી અને છેલ્લાં ન્યા વર્ષથી તેના હૃદયનું પનિંગ ૧૦થી ૧૫ ટકા કેટલું જ હતું. કિરણ હોસ્પિટલથી સૂરત એરપોર્ટ સુધીના ૧૭ કિ.મી.ના માર્ગ અને ત્યાર પછી મુંબઈથી હોસ્પિટલ સુધી ગ્રીન કોરિડોર બનાવવા માટે તમામ સંબંધિતોનો તેમણે આભાર માન્યો હતો.

“ જીતે જી રહ્તાદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન...”



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 14th March, 2020

359
KIDNEY
145
LIVER
7
PANCREAS
26
HEART
4
LUNGS
264
CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

Which has given new lease of life &
vision to 740 persons across the country & globe

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."